दिगंत

ई-पत्रिका :जनवरी- 2021

'नैक' प्रत्यायित

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सिविल लाइन्स, गोरखपुर-273001

website : www.dnpgcollege.edu.in

दिगंत-ई-पत्रिका:जनवरी- 2021

संरक्षक मण्डल

परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज

मुख्य संरक्षक

प्रो.उदय प्रताप सिंह

अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

श्री धर्मेन्द्र नाथ वर्मा

उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

सम्पादक मण्डल

डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह, प्राचार्य

प्रधान सम्पादक

1. **डॉ. सुभाष चन्द्र,** सहायक आचार्य, बी.एड. विभाग
2. **डॉ. विभा सिंह,** सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग
3. **डॉ. शैलेश कुमार सिंह,** सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग
4. **डॉ. प्रियंका सिंह,** सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग
5. **डॉ. सुनील कुमार सिंह,** सहायक आचार्य,, समाजशास्त्र विभाग
6. **डॉ. समृद्धि सिंह,** सहायक आचार्य,, समाजशास्त्र विभाग

हिन्दी विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन

दिनांक 04.01.2021 को महाविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान का विषय था **'उत्तर आधुनिक अवधारणाएँ और उपन्यास की संरचना'** जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. गोपेश्वर दत्त पाण्डेय, असिस्टेन्ट प्रोफेसर हिन्दी विभाग, महामना मालवीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बागपत उ.प्र. थे। ''मुख्य अतिथि ने अपने वक्तव्य में कहा कि **''मनुष्य अनुभूतियों का पुंज है। यही अनुभूतियाँ परिष्कृत होकर भाषा के माध्यम से साहित्य में अभिव्यक्त होती हैं। उपन्यास की संरचना अनुभूतियों में परिवर्तन से प्रभावित होती है, जो विचार, वृत्ति, समाज, संस्कृति और कथा–प्रविधियों में परिवर्तन का आभास दिलाती है।**

व्याख्यान का विषय प्रवर्तन डॉ. राकेश कुमार ने किया तथा आभार ज्ञापन हिन्दी विभाग के प्रभारी डॉ. सत्येन्द्र प्रताप सिंह ने किया।

मिशन शक्ति कार्यक्रम

दिनांक 07.01.2021 को महाविद्यालय, में **एम.एससी. व बी.एड.** के संयुक्त तत्वावधान में **उत्तर प्रदेश सरकार** द्वारा संचालित **मिशन शक्ति कार्यक्रम** के अंतर्गत **अभिविन्यास कार्यक्रम** का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं को उनकी आंतरिक शक्ति से परिचित कराते हुए उनकी सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को सम्बोधित करते हुए पश्चिमी परिसर प्रभारी डॉ. शशिप्रभा सिंह ने कहा कि यदि उनके साथ कोई घटना घटित हो तो निर्भीक होकर उन्हें अपने शिक्षकों, अभिभावकों और थाने के महिला हेल्प डेस्क को सूचित करना चाहिए। रात में अकेले व असुरक्षित महसूस होने पर 112 नम्बर पर कॉल करें तथा अपने आस–पास होने वाली घटनाओं को 181 नम्बर पर सूचित करना चाहिए।

बी.एड. विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गीता सिंह ने कहा नारी को सशक्त और स्वावलम्बी बनाने के लिए सरकार और समाज द्वारा विभिन्न प्रकार के प्रयास किये जा रहे हैं, जिसमें से एक उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही महत्वपूर्ण योजना **मिशन शक्ति** है, जिसका उद्देश्य नारी को

उसकी वास्तविक शक्ति से परिचित कराना तथा सुरक्षा प्रदान करना है। कार्यक्रम का संचालन तथा आभार ज्ञापन श्रीमती अनुराधा सिंह ने किया। कार्यक्रम में एम.एससी. रसायनशास्त्र व गणित वर्ग एवं बी.एड. की छात्रायें उपस्थिति रहीं।

''आचार्य भगवती प्रसाद सिंह के व्यक्तित्व एवं कृतित्व'' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

दिनांक 09.01.2021 को महाविद्यालय में उ.प्र. हिन्दी संस्थान लखनऊ तथा दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ''आचार्य भगवती प्रसाद सिंह के व्यक्तित्व एवं कृतित्व'' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें विशिष्ट अतिथि प्रो.कृष्णचन्द लाल, अवकाश प्राप्त आचार्य एवं अध्यक्ष हिन्दी विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के पूर्व प्रति–कुलपति थे। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रो. के. सी. लाल ने कहा कि डॉ. भगवती प्रसाद सिंह मध्यकालीन भक्ति साहित्य, खासकर राम भक्ति काव्य परम्परा के पथिकृत आचार्य थे। अनुसंधान, संपादन, पाण्डुलिपियों की खोज समुचित संरक्षण, आलोचना, संतो के प्रति सहज अनुरक्ति तथा शिष्यों के प्रति अनन्य वात्सल्य भाव के लिए वे सुविख्यात रहे हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, पूर्व आचार्य हिन्दी विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर व पूर्व अध्यक्ष साहित्य अकादमी नई दिल्ली थे। उक्त अवसर उन्होंने महामहोपाध्याय पं. गोपीनाथ कविराज को उद्धृत करते हुए कहा कि 'हर व्यक्ति का एक प्रभा मण्डल होता है और जिसका जितना बड़ा प्रभा मण्डल होता है वह उतना ही बड़े व्यक्तित्व का स्वामी होता है।' डॉ. सिंह का प्रभा मण्डल बहुत बड़ा था। वे ऐसे व्यक्ति थे जिनसे मिलने के बाद उनकी छवि मानस पटल पर सदा के लिए अंकित हो जाती थी, उनमें अद्भुत आकर्षण था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. रामदेव शुक्ल ने अपनी स्मृतियों को श्रोताओं के साथ साझा किया और उन्होने डॉ. सिंह की उदारता, व्यवस्थित व्यवहार और कुशलता की चर्चा करते हुए कहा कि बड़ा व्यक्ति वह होता है जो अपने बड़प्पन से दूसरों को आच्छादित कर दे। उन्होने डॉ. सिंह के बहुआयामी व्यक्तित्व के अनेक बिन्दुओं को उद्घाटित किया। उद्घाटन सत्र में आगत अतिथियों का स्वागत तथा संगोष्ठी की प्रस्ताविकी डॉ. सदानन्द प्रसाद गुप्त कार्यकारी अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश हिन्दी

संस्थान लखनऊ ने की। संचालन डॉ. अमिता दूबे और आभार ज्ञापन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने किया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में ही डॉ. कृष्ण चन्द्र लाल द्वारा लिखित पुस्तक 'भगवती प्रसाद सिंह : जीवन और साहित्य' लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. रामदेव शुक्ल ने किया तथा स्वागत वक्तव्य एवं प्रस्तावना डॉ. सदानन्द प्रसाद गुप्त कार्यकारी अध्यक्ष उ. प्र. हिन्दी संस्थान लखनऊ ने तथा संचालन डॉ. अमिता दूबे ने किया। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए डा. प्रेमचन्द सिंह, डॉ. उदय प्रताप सिंह, डॉ. कन्हैया सिंह ने भी डॉ. सिंह के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए डॉ. भगवती प्रसाद सिंह को एक संत साहित्यकार बताते हुए उनके समरस भाव व विराट व्यक्तित्व को उद्घाटित किया। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अनन्त मिश्र, अवकाश प्राप्त आचार्य, हिन्दी विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर थे। द्वितीय सत्र की अध्यक्षता डॉ. के. सी. लाल ने किया।

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (द्वितीय दिवस)
विषय-राम भक्ति काव्य परम्परा अनुसंधान और चिंतन

दिनांक 10.01.2021 को महाविद्यालय में आयोजित **दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में द्वितीय दिवस का विषय "राम भक्ति काव्य परंपरा, अनुसंधान और चिंतन" था।** इसमें विशिष्ट वक्ता डॉ. कन्हैया सिंह, वरिष्ठ आचार्य, डी.ए.वी. आजमगढ़ ने कहा कि जिसमें श्रृंगार राम भक्ति काव्य परम्परा में भक्ति की प्रमुखता है।

तृतीय सत्र में मुख्य वक्ता **डॉ. रामदेव शुक्ल** ने कहा कि शोध का अर्थ यह नहीं है कि यह पूर्ण हो गया बल्कि इसे आगे भी बढ़ाना आवश्यक है। इन्होने संतों और भक्तों का उल्लेख करते हुए कहा कि मध्यकालीन साहित्य को बनाने में इनका बहुत बड़ा योगदान है। इन्होंने अनन्तदास एवं नाभादास जैसे भक्तों का उल्लेख करते हुए कहा कि इनका साहित्य, भारतीय इतिहास में अमर हो गया है।

कार्यक्रम में **मुख्य अतिथि डॉ. के.सी. लाल थे। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि** तुलसीदास ने रामचरितमानस को पढ़ने के लिए एक शर्त लगा दी है। उन्होंने कहा है कि यदि संतों का साथ न किया, यदि श्रद्धा और आस्था का भाव नहीं रहा और यदि राम आपके प्रिय नहीं हों तो रामचरितमानस

आपके लिए नहीं है। **अध्यक्षीय उद्‌बोधन करते हुए डॉ. उदय प्रताप सिंह** ने कहा कि डॉ. सिंह का पूरा जीवन राममय था। लेकिन इन्होने यह भी कहा कि भारत के सभी देवी–देवताओं का अस्तित्व उत्तर भारत में हुआ। लेकिन रामभक्ति दक्षिण से आलवार संतो से उत्तर में आयी। ये सभी मस्त होकर भक्ति गीत गाते थे। इन्होने कहा कि राघवानन्दचार्य, रामानन्दचार्य की परम्परा ने तेरहवी–चौदहवी शती में काशी में योग और भक्ति की परम्परा का प्रचलन किया। इन्होंने बताया कि प्रेम भक्ति का सबसे बड़ा आधार है और मधुरोपासना ही रसिक पम्परा के मूल में है। डॉ. सिंह के कृतित्व और व्यक्तित्व पर शोध करने वाली प्रथम छात्रा डॉ. चारूशीला सिंह ने कहा कि इस विषय पर शोध करने पर मुझे यही ज्ञात हुआ कि डॉ. सिंह के जीवन में राम हर क्षण, हरपल रहे, अयोध्या धाम उनकी अटूट आस्था थी।

संगोष्ठी के समापन का मूल विषय था **अनुसंधान, शोध और सृजन। इस** विषय पर विशिष्ट वक्ता के रूप में बोलते हुए डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि डॉ. सिंह बहुत बड़े सम्पादक, शोधकर्ता और सृजनकर्ता थे। बीसवीं सदी में वे स्वयं बनादास बन अपना उद्धार करने आये थे और उन्हीं के ग्रंथो की खोजकर अपना शोध कार्य किया। उन्होंने महामहोपाध्याय कविराज गोपीनाथ तथा हनुमान प्रसाद पोद्‌दार की जीवनी लिखी। मनीषी की लोकयात्रा इनके जीवन की अक्षय कृति बन गयी। विशिष्ट वक्ता **डॉ. अनन्त मिश्र** ने कहा कि भक्ति में भक्त को मिलता क्या है? रसिक सम्प्रदाय आवश्यक क्यों है? शीर्ष भक्ति क्या है? उन्होने कहा जैसे गोपियॉ, कृष्ण को चाहती हैं वही भक्ति की पराकाष्ठा है। भगवान की प्राप्ति केवल भक्त ही कर सकता है। भक्त ही राम और जीव कोशीव बना सकता है और एक समय ऐसा आता है कि वह देवत्व को प्राप्त कर लेता है।

मुख्य अतिथि **डॉ. के.सी. लाल** कहा कि रसिक शब्द का सामान्य नहीं है। जहाँ रसिक डूब जाते हैं, वहीं आनन्द तत्व की प्राप्ति होती है। इस देवत्व को पाने के लिए कई कठिन रास्तों से गुजरना होता है। माधुर्य से रहित जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। यही मनुष्य की चरम इच्छा होती है। **अध्यक्षीय उद्‌बोधन में डॉ. सदानन्द गुप्त** ने कहा कि इस दो दिवसीय संगोष्ठी में अतिथियों ने बड़े आत्मीय भाव से विगलित होकर डॉ. सिंह के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को सराहा और निश्चित रूप से डॉ. सिंह का व्यक्तिव इतना विराट था कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक पाथेय सिद्ध होगा। आभार ज्ञापन व संगोष्ठी का समाकलन डॉ. राजशरण शाही ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा युवा सप्ताह कार्यक्रम

दिनांक 12.01.2021 को महाविद्यालय की **राष्ट्रीय सेवा योजना की चारों इकाइयों–मीराबाई, सुभाष, गोरखनाथ एवं महाराणा प्रताप इकाई** –द्वारा राष्ट्रीय युवा सप्ताह कार्यक्रम के अन्तर्गत एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। प्रथम सत्र प्रातः 8.00 बजे, प्रभात फेरी को महाविद्यालय के **मुख्य नियन्ता डॉ. आर. पी.यादव** द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया।

द्वितीय सत्र में "स्वामी विवेकानन्द व्यक्तित्व एवं कृतित्व" विषय पर परिचर्चा का आयोजन हुआ जिसमें **मुख्य अतिथि डॉ. आद्या प्रसाद द्विवेदी पूर्व अधिष्ठाता कला संकाय वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर** थे। अपने उद्‌बोधन में **उठो, जागो, लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुको तथा चरैवेति–चरैवेति** की अवधारणा को बताते हुए उन्होंने कहा कि आप सभी छात्र/छात्राओं को अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। जब तक लक्ष्य की प्राप्ति नही हो जाता है तब तक आप अपने आप को मत रोकें। स्वामी विवेकानन्द जी पर विशेष रूप से शिकागो अधिवेशन में सभी धर्माधिकारी श्रोताओं को **जेन्टल मैन** द्वारा सम्बोधित कर रहे थे। स्वामी विवेकानन्द जी ने जैसे ही **भाइयो एवं बहनो** का सम्बोधन किया पूरा हाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूँज उठा। **कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. परीक्षित सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर वनस्पति विज्ञान विभाग दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर** ने की। कार्यक्रम में आगत अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम अधिकारी श्री सुरेन्द्र चौहान द्वारा, आगत अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रूक्मिणी चौधरी एवं कार्यक्रम का संचालन डॉ.संजय कुमार त्रिपाठी जी द्वारा किया गया।

रसायनशास्त्र एवं बी.एड.विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय युवा दिवस कार्यक्रम

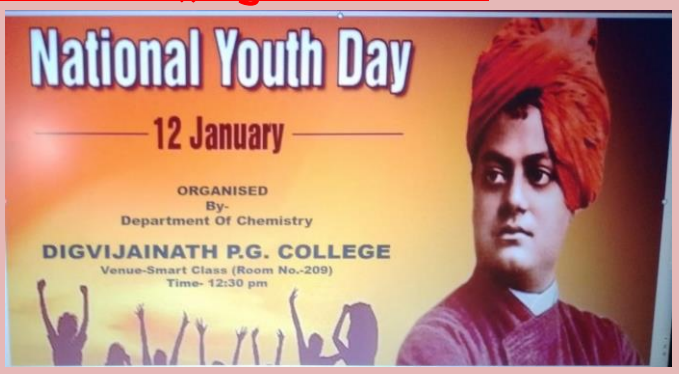

दिनांक 12.01.2021, मंगलवार को रसायन शास्त्र विभाग द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस का कार्यक्रम स्वामी विवेकानंद के जन्मदिन के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर स्वामी विवेकानंद की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बी.एड. विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. श्रीमती शुभ्रा श्रीवास्तव ने 'उठो जागो, लक्ष्य को प्राप्त करो' को जीवन का आदर्श मानते हुए स्वामी विवेकानंद जी की तरह

स्वयं को सशक्त, विद्वान और तीव्र बुद्धिमता का परिचय देने की क्षमता विकसित करने की सीख विद्यार्थियों को दी। इस कार्यक्रम के विवेकानंद जी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए छायाचित्र भी छात्रों के सम्मुख प्रस्तुत किये गये।

कार्यक्रम के प्रारंभ में माँ सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर रसायन शास्त्र विभाग की प्रभारी डॉ शशिप्रभा सिंह एवं डॉ प्रतिमा सिंह द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की गयी। उक्त अवसर पर एम. एससी रसायन शास्त्र के तृतीय सेमेस्टर के छात्र/छात्राओं द्वारा प्रथम सेमेस्टर के छात्र/ छात्राओं का स्वागत एवं परिचय कार्यक्रम भी हुआ।

महिला सशक्तिकरण एवं राष्ट्रीय सुरक्षा विषय पर विशिष्ट व्याख्यान

दिनांक 13–01–2021 को ''महिला सशक्तिकरण एवं राष्ट्रीय सुरक्षा'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. आरती यादव रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग दी.द.उ.गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर थी। महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार रखते हुए उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए महिला को ही पहल करनी होगी। महिला में यह क्षमता है कि वह अपने खून से समाज को सींच कर राष्ट्र निर्माण और राष्ट्रीय सुरक्षा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे। महिलाओं की स्थिति सुधरे, इसके लिए प्रत्येक महिला को तैयार रहना पड़ेगा, तभी सरकार द्वारा बनाए गए कानून की सार्थकता सिद्ध होगी।

राष्ट्रीय सुरक्षा में महिला की भी विशेष भूमिका होती है। महिलाओं के अधिकार, सुरक्षा व रोजगार के लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री योजना, महिला प्रशिक्षण रोजगार आदि विभिन्न योजनाएं सरकार द्वारा चलाई जा रही हैं ।इसके साथ ही महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए महिला हेल्पलाइन नंबर 1090, साथ ही साथ साइबर क्राइम पोर्टल से महिलाओं की सुरक्षा हेतु वुमन एंड चाइल्ड पोर्टल भी बनाया गया है परंतु

इसका लाभ तभी मिल सकता है जब महिला शिक्षित हो, सशक्त हो और आत्मनिर्भर होने के साथ ही साथ अपने अधिकारों को पाने के लिए अपने कदम आगे बढ़ाए।

कार्यक्रम का अध्यक्षीय उद्‌बोधन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेंद्र प्रताप सिंह ने दिया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक का यह धर्म है कि वह विद्यार्थियों का ज्ञान विस्तार करे हमारी आधी आबादी यदि आत्मविश्वास के साथ कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ जाए तो हम अपनी कार्य योजना के लिए ऊर्जा प्राप्त कर आगे बढ़ सकेंगे। कोई भी राष्ट्र महिला और पुरुष के परस्पर सहयोग से अपनी शक्ति प्राप्त करता है इसलिए इसके सम्यक विकास पर कार्य होना चाहिए। राष्ट्रीय सुरक्षा एक निरंतर प्रक्रिया है। समय के साथ हमारे ऊपर जिस प्रकार के खतरे रहते हैं उसी के अनुसार हम अपनी शक्ति और सामर्थ्य से अपनी सुरक्षा को सुदृढ करते हैं। कार्यक्रम का संचालन व आभार ज्ञापन विभाग के प्रभारी डॉ. राम प्रसाद यादव तथा स्वागत विकास पाठक ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित (राष्ट्रीय युवा सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन)

दिनांक 18.01.2021 को जिला प्रशासन के एन्टी रोमियो विंग द्वारा स्वयंसेवक/स्वयं सेविकाओं को जागरूक करने का कार्य किया गया। प्रदेश स्तर पर अराजक तत्वों को नियंत्रित करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा दी जा रही सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी छात्र–छात्राओं को दी गयी; जैसे हेल्पलाइन नम्बर 1090, वायरलेस नम्बर 9454403529। प्रदेश स्तर पर ये सुविधाएँ उपलब्ध हैं जिस पर आप अपनी शिकायत दर्ज करा सकते है। बालिकाओं को प्रशासन स्तर द्वारा दी जाने वाली सेवाओं के बारे में भी अवगत कराया गया।

राष्ट्रीय युवा सप्ताह के अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ जिसमें भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान निधि पाण्डेय बी. ए. प्रथम वर्ष, द्वितीय स्थान शैली मिश्रा बी. काम. प्रथम वर्ष एवं तृतीय स्थान अभिषेक सिंह एम. कॉम. प्रथम वर्ष ने प्राप्त किया। निबन्ध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अभिषेक सिंह एम. काम. प्रथम वर्ष, द्वितीय स्थान यशवंत मल्ल बी. ए. प्रथम वर्ष एवं तृतीय स्थान प्रियंका कसौधन बी. कॉम. प्रथम वर्ष ने प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अभिषेक कसौधन बी.काम. प्रथम वर्ष, द्वितीय सृष्टि गुप्ता बी.काम. प्रथम वर्ष एवं तृतीय स्थान सागर चौधरी बी. ए.प्रथम वर्ष ने प्राप्त किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.शैलेन्द्र प्रताप सिंह तथा संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर जिला प्रशासन के पुलिस अधिकारी एवं कांस्टेबल सहित कार्यक्रम अधिकारी डॉ.रूक्मिणी चौधरी, डॉ. सुरेन्द्र चौहान, डॉ. चण्डी प्रसाद पाण्डेय, डॉ. संजीव कुमार सिंह, रोवर्स/रेंजर्स के डॉ. संजीत कुमार सिंह एवं श्रीमती जागृति विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहे।

सुभाषचन्द्र बोस की एक सौ पचीसवीं जयंती पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन

दिनांक 22.01.2021 को सुभाष चन्द्र बोस को एक सौ पचीसवीं जयन्ती पर महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक विभाग द्वारा सुभाष चन्द्र बोस पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर हर्ष कुमार सिन्हा अध्यक्ष, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, गोरखपुर विश्वविद्यालय थे।

डॉ. सिन्हा ने नेताजी के राष्ट्रीय योगदान के बहुआयामी पक्षों को व्यक्त करते हुए बताया कि स्वाधीनता प्राप्ति के लिए गाँधी जी के अहिंसात्मक आंदोलन से इतर विचार रहते हुए भी उनका गाँधी जी के प्रति बेहद सम्मानजनक विचार था और आजाद हिंद रेडियो से राष्ट्रपिता का संबोधन सर्वप्रथम सुभाष बाबू ने ही किया था। स्वाधीनता आंदोलन के अतिरिक्त स्वतंत्र भारत के भावी स्वरूप पर भी उनकी स्पष्ट दूरदर्शी और रणनीतिक विचारधारा थी। स्वाधीनता आंदोलन में वह गाँधी जी के अतिरिक्त, कदाचित सर्वोच्च कद के नेता थे।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए महाविद्यालय के रक्षा अध्ययन विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष एवं गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ महाविद्यालय, चौक बाजार, महाराजगंज के प्राचार्य डॉ. श्रीभगवान सिंह ने कहा कि युवा पीढ़ी के सामने सुभाष बाबू के त्याग और बलिदान को रेखांकित करते हुए कहा कि हमें उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। सुभाष बाबू के त्याग और बलिदान को उनके आई. सी. एस. से त्यागपत्र, कांग्रेस और फारवर्ड ब्लाक के मंचों से योगदान करने के अतिरिक्त

जर्मनी, जापान आदि राष्ट्रों से सहयोग लेकर आजाद हिंद फौज की स्थापना, भारतीय स्वाधीनता के लिए उनके अप्रतिम संघर्ष और राष्ट्र के आंदोलित वातावरण पर उनके गहरे प्रभाव की मीमांसा की।

अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन और आभार ज्ञापन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ शैलेंद्र प्रताप सिंह ने युवा पीढ़ी को सुभाष बाबू के जीवन मूल्यों से प्रेरणा लेते रहने की बात कही।

कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन विभागाध्यक्ष डॉ. राम प्रसाद यादव ने तथा अतिथियों का स्वागत विभागीय शिक्षक डॉ. इंद्रजीत कुमार ने किया।

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या एवं राष्ट्रीय मतदाता दिवस

25.01.2021 को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित कार्यक्रम दो सत्रों में विभाजित था। प्रथम सत्र में विशिष्ट अतिथि डॉ राजेंद्र भारती, सेवानिवृत्त शिक्षक राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खड़कवासला, पुणे थे। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि हमारा देश एक गणतंत्र है। हमारा देश एक ऐसा देश है जहाँ के शासन तंत्र में देश के सर्वोच्च पद पर आम जनता में से कोई भी आसीन हो सकता है। आज विश्व के अधिकांश देश गणराज्य है, दुनिया के करीब 200 से अधिक संप्रभु राष्ट्र हैं जिसमें से 159 अपने को गणतंत्र कहते हैं, लेकिन वे लोकतांत्रिक नहीं है। उन देशों में दिखावे के तौर पर कभी–कभी जनमत ले लिया जाता है। किन्तु हमारा सौभाग्य है कि हम गणतंत्र तो हैं ही, साथ ही साथ हमारी शासन प्रणाली लोकतांत्रिक भी है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री प्रमथनाथ मिश्र सदस्य, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद थे। उन्होने गणतंत्र दिवस पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हमें भारत का नागरिक होने पर गर्व करना होगा और हमें इस बात का निश्चय करना होगा कि हमें संविधान में मिले अधिकारों को कैसे अक्षुण्ण रखना है । परतंत्रता के काल में युगपुरुष दिग्विजयनाथ जी महाराज ने 1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की। उनका उद्देश्य था युवाओं में राष्ट्रीयता की भावना का विकास करना। यद्यपि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के स्थापना के समय उन्हें तमाम अड़चनों का सामना करना पड़ा लेकिन

उनके अथक प्रयास तथा दूरदर्शिता से महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद अपने उद्देश्य में सफल रहा जो वर्तमान पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज के निर्देशन में आगे बढ़ते हुए समाज के उत्थान के लिए अपना कार्य कर रहा है। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का एक उद्देश्य अपने विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है। हम ऐसे विद्यार्थी भारतीय समाज को दें जिसमें तार्किक क्षमता, उदारता का भाव हो जो एक सक्षम और सशक्त भारत को मजबूती प्रदान करने का कार्य करें।

अध्यक्षीय उद्‌बोधन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने देते हुए उन्होंने कहा कि हमें दो बातों पर अवश्य ध्यान देना चाहिए, पहला जब देश संक्रमण काल से गुजर रहा हो और दूसरा जब हमारे गणतंत्र पर ग्रहण लगा हो और हमारे सांस्कृतिक पुनर्जागरण का काल हो तो ऐसे समय में नागरिकों में अनुशासन और संयम को बनाये रखना चाहिए। आपको अगर अपने जीवन को सार्थक बनाना है तो आपको अपना हर क्षण अनुशासन के साथ अपने को समर्पित करना होगा।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में छात्र/छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन अभिषेक सिंह ने किया तथा अभार ज्ञापन श्री सुरेन्द्र चौहान द्वारा किया गया।

बी.एड. विभाग द्वारा स्काउट गाइड का प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 25.01.2021 गोरखपुर के दिग्विजयनाथ पी.जी. महाविद्यालय गोरखपुर के बी.एड. विभाग में चल रहे स्काउट गाइड प्रशिक्षण के चतुर्थ दिन छात्र–छात्राओं द्वारा राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर मतदाता जागरूकता हेतु एक रैली आयोजित की गई। रैली की शुरुआत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा झंडा दिखाकर किया गया। इस कार्यक्रम का समापन सभी छात्र–छात्राओं को मतदाता जागरूकता शपथ दिलाकर किया गया। इस कार्यक्रम में महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. अरुण कुमार सिंह, बी.एड. विभाग के प्रभारी डॉ अरुण कुमार तिवारी, डॉ गीता सिंह, डॉ राजशरण शाही, डॉ. सरोज शाही, डॉ शुभ्रा श्रीवास्तव, डॉ सुभाष चन्द्र, स्काउट एंड गाइड की प्रशिक्षिका श्रीमती सिद्दीकी एवं सभी छात्र मौजूद रहे।

महाविद्यालय में 72 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर झंडारोहण

दिनांक 26.01.2021 को महाविद्यालय में 72 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण तथा बी.एड. विभाग द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम महाविद्यालय में प्रातः 10. 00 बजे प्राचार्य डॉ शैलेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा ध्वजारोहण किया गया, तत्पश्चात डॉ सत्यपाल सिंह ने उच्च शिक्षा निदेशक के पत्र का वाचन करते हुए उच्च शिक्षा के उद्देश्य, राज्य विश्वविद्यालय में स्थापित शोधपीठों, शिक्षा में नवाचार तथा गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा की बात कही। उक्त अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि मुझे यह कहते हुए हर्ष हो रहा है कि हमारे वीर सपूतों जिन्होंने भारत के स्वतंत्रता के बलिवेदी पर अपनी आहुति दी तथा हमारे संविधान निर्माताओं ने जिन्होंने सशक्त तथा समृद्ध भारत का जो सपना देखा था, आज भारत शीर्ष नेतृत्व के हाथों उस सपने को साकार कर रहा है। वो दिन दूर नहीं जब भारत विश्व गुरु के रूप में पुनः स्थापित होगा। इतिहास उसी का लिखा जाता है जो विजेता होता है। इसी क्रम में बी.एड. विभाग में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. विवेक शाही ने छात्रों को संबोधित करते हुए, संवैधानिक मूल्यों को छात्रों द्वारा आत्मसात करने की बात कही। इसी क्रम में महाविद्यालय के शिक्षक डॉ राजशरण शाही ने सभी छात्र छात्राओं को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी और खुद के विकास से देश का विकास किस प्रकार हो सके इस पर अपने विचार रखे ।

एन.सी.सी. तथा रोवर/रेंजर्स के स्वयं सेवकों ने दर्शनार्थियों का किया सहयोग

दिनांक 26.01.2021 को देश के 72वें गणतंत्र दिवस एवं बुढवा मंगल के अवसर पर दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज के एन.सी.सी. कैडेट एवं रोवर्स तथा रेंजर्स के 150 से अधिक कैडेटों एवं स्वयंसेवकों ने गोरक्षनाथ मंदिर परिसर में दर्शन करने आए दर्शनार्थियों को दर्शन कराने में मंदिर प्रशासन का सहयोग किया। भारी भीड़ को स्वयंसेवकों ने बड़ी ही तत्परता से नियंत्रित किया। स्वयंसेवकों ने प्रातः 8.00 बजे से सायं 4.00 बजे तक मंदिर परिसर में मंदिर प्रशासन का दर्शनार्थियों को दर्शन कराने में सहयोग किया। इसके लिए मंदिर प्रशासन द्वारा स्वयंसेवकों को धन्यवाद भी दिया गया।

पाँच दिवसीय भारत स्काउट एवं गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह

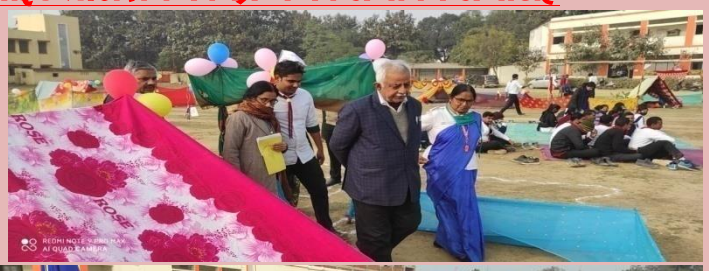

दिग्विजयनाथ पी. जी. महाविद्यालय में पाँच दिवसीय भारत स्काउट एवं गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह रहे। कार्यक्रम में बी. एड. विभाग में विभिन्न टोलियों का गठन किया गया जो निम्न है राफेल, भगत सिंह, अटल, रानीलक्ष्मी बाई, स्वामी विवेकानंद और अरुणिमा। जिसमे प्रत्येक टोली के द्वारा टेंट एवं गृहस्थी के विभिन्न संसाधनों की प्रदर्शनी लगाई गई जिसका अवलोकन मुख्य अतिथि के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के द्वितीय पक्ष में सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया जिसमें सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया। इसके उपरांत मुख्य अतिथि द्वारा संबोधित किया गया। उन्होंने वसुधैव कुटुम्बकम, अनुशासन, जीवन मे क्या खोया, क्या पाया इसका संदेश दिया। प्रशिक्षण में उन्होंने स्वयं मूल्यांकन कर भविष्य में और भी बेहतर करने का प्रयास करने समूह में रहने एवं भेदभाव मुक्त जीवन पर प्रकाश डाला । डॉ. गीता सिंह ने कार्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित करते हुए बताया कि प्रतिकूल परिस्थितियों में आयोजित यह प्रशिक्षण छात्रों के लिए सार्थक सिद्ध होगा तथा छात्रों को बधाई देते हुए एवं प्रशिक्षिकाओ को धन्यवाद देते हुए इस कार्यक्रम का समापन किया।

प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन

महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग एवं महिला उत्पीड़न निवारण समिति के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित 'बदलते परिवेश में नारी कितना बदले और क्यों' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय की पूर्व प्राचार्य डॉ. गीता दत्त थी। उन्होंने अपने उद्बोधन में स्त्रियों की स्थिति विभिन्न कालों में कैसी रही इसका विवरण दिया व अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आजादी के बाद जब देश को संविधान मिला उसमें स्त्रियों को सुरक्षा सम्मान पुरुषों के समान अवसर एवं अधिकार मिले, किंतु अशिक्षा रूढ़िवादी सोच तथा कमजोर सामाजिक ढांचे के कारण उन अवसरों का पूर्ण लाभ महिलाओं को प्राप्त नहीं हो पाया । किंतु आजाद भारत का इतिहास नारियों के गौरव गाथा से रिक्त नहीं है। हमारी प्रथम महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, सुचेता कृपलानी, किरण बेदी प्रथम महिला आईपीएस, बछेंद्री पाल मदर टेरेसा आदि इसके उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि असल में बदलाव वह है, जहां नारी देश, राष्ट्र, परिवार समाज, राजनीति खेल– कूद, विज्ञान, तकनीकी, प्रौद्योगिकी में अग्रणी भूमिका का निर्वहन करें तथा समाज की परंपरावादी सोच के प्रतिकूल खुद को प्रदर्शित करना ही बदलाव है। अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि अगर महिलाओं को सशक्त करना है तो उन्हें शिक्षित करना अनिवार्य है। एक शिक्षित महिला ही सशक्त और सभ्य तथा शिक्षित समाज का निर्माण करने में अपना संपूर्ण योगदान दे सकने में सक्षम होंगी। कार्यक्रम का संचालन डॉ सीमा श्रीवास्तव ने किया, प्रस्तावकी डॉ कामिनी सिंह ने प्रस्तुत की एवं आभार ज्ञापन विभाग के प्रभारी डॉ. धीरेंद्र सिंह ने प्रस्तुत किया।

वाणिज्य संकाय में छात्र परिषद का गठन

महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय में छात्र परिषद का गठन वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ. संजीव कुमार सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें छात्र परिषद के अध्यक्ष पद पर अभिषेक सिंह, एम. काम.प्रथम वर्ष, उपाध्यक्ष नम्रता मिश्रा एम.काम.प्रथम वर्ष, महामंत्री विपुल द्विवेदी बी.काम.तृतीय, संयुक्त मंत्री अनन्या सिंह बी.काम.तृतीय, पुस्तकालय मंत्री रजनी गुप्ता बी.काम.तृतीय को नामित किया गया है। डॉ. अमरनाथ तिवारी छात्र परिषद के नवनिर्वाचित सदस्यों को अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने की बात कही। डॉ. संजीव कुमार सिंह ने नवनिर्वाचित सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उक्त अवसर पर विभाग के सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे।

पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति सप्ताह कार्यक्रम

आज महाविद्यालय में **पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति सप्ताह कार्यक्रम 2021** के अन्तर्गत हिन्दी भाषण प्रतियोगिता "**पं. दीनदयाल उपाध्याय के सपनों का भारत**" विषय पर आयोजित हुआ जिसमें महाविद्यालय के कुल 20 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। **जिसमें प्रथम स्थान बी.ए.तृतीय वर्ष के छात्र निशांत मिश्रा, द्वितीय स्थान बी.ए.तृतीय वर्ष के छात्र रामकेश त्रिपाठी तथा तृतीय स्थान बी.एड.प्रथम वर्ष के छात्र अरूण कुमार गौड़** को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. रविन्द्र कुमार ने विजयी प्रतिभागी की घोषणा की तथा सह–संयोजक डॉ. राकेश कुमार ने निर्णायकों तथा छात्र–छात्राओं के प्रति आभार ज्ञापन एवं संचालन डॉ. इन्द्रेश पाण्डेय ने किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राजनीति विज्ञान के प्रभारी डॉ. वीणा गोपाल मिश्र ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए विजयी प्रतिभागियों को बधाई दी एवं निर्णायक के रूप में डॉ. नित्यानन्द श्रीवास्तव, डॉ. सुभाष चन्द्र और डॉ. मुरली मनोहर तिवारी उपस्थित थे।

इसी क्रम में पं.दीनदयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता श्री सुरेन्द्र चौहान के संयोजकत्व में सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सूरज कुमार कन्नौजिया, द्वितीय स्थान सुकृति पाण्डेय तथा तृतीय स्थान शालू सिंह को प्राप्त हुआ।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

दिनांक 30.01.2021 गोरखपुर। महाविद्यालय के बी.सी.ए. विभाग द्वारा आयोजित आज पंडित दीन दयाल उपाध्याय स्मृति सप्ताह के अन्तर्गत 'पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी के जीवनवृत्त एवं अवदान' विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

इस कार्यक्रम में कुल 46 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें प्रथम स्थान बी.एससी. तृतीय वर्ष की छात्रा ऐश्वर्या पाल, द्वितीय स्थान बी.एड. प्रथम वर्ष के श्याम पाण्डेय एवं तृतीय स्थान बी.सी.ए. प्रथम वर्ष की कनिष्का ने प्राप्त किया। इस कार्यक्रम का संयोजन, संयोजक डॉ. संजय कुमार तिवारी एवं सह–संयोजक श्रीमती अनुराधा सिंह और श्री अरविंद कुमार मौर्य, बी..सी.ए. ने किया। निर्णायक की भूमिका में डॉ. सुभाष चन्द्र, बी.एड. विभाग थे।

रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग का अकादमिक लेखा परीक्षण

दिनांक 30.01.2021 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग का एकेडमिक आडिट हुआ। महाविद्यालय भटवली बाजार (उनवल), गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. बलवान सिंह ने बतौर आडिटर पाठ्यक्रम, कक्षाध्यापन, मासिक मूल्यांकन, विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा, कक्षाओं में विद्यार्थियों की उपस्थिति, अतिथि व्याख्यान, विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास हेतु विभाग द्वारा किये जा रहे प्रयास, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन विभाग में उपलब्ध संसाधन एवं विभाग द्वारा सम्पन्न की जाने वाली अन्य गतिविधियॉ इत्यादि पर चर्चा की। विभाग के प्रभारी डॉ. राम प्रसाद यादव ने विभाग की उपलब्धियों के बारे में बताया। आडिट करने के बाद आडिट रिपोर्ट डॉ. बलवान सिंह ने सीलबन्द लिफाफे में प्राचार्य को सौंप दिया। इस अवसर पर विभाग के प्राध्यापक डॉ. इन्द्रजीत कुमार, श्री विकास कुमार पाठक तथा विभागीय परिचर श्री राजकुमार उपस्थित रहे।

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित विशिष्ट व्याख्यान

दिनांक 30.01.2021 महाविद्यालय के **राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित विशिष्ट व्याख्यान ''स्वदेशी की संकल्पना एवं आत्म निर्भर भारत : गाँधी की अन्तर्दृष्टि''** विषय पर **सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर** के **पूर्व कुलपति प्रो.रजनीकान्त पाण्डेय** ने छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि गॉधी जी की दृष्टि में स्वराज्य का आशय अपनी इन्द्रियों को अपने वश में रखना है। गॉधी जी धार्मिक पाखण्ड को धर्म नहीं मानते थे बल्कि उनका विचार था कि हमें अपने इन्द्रियों पर नियंत्रण रखते हुए अपने शरीर को मन्दिर की तरह स्वच्छ बनाना होगा और यदि ऐसा होगा तभी हम विदेशी विचारों के कुप्रभाव से स्वयं को बचाने में समर्थ हो सकेंगे। पश्चिमी दुनिया की संस्कृति भोग की संस्कृति रही है जबकि भारतीय संस्कृति त्याग और कर्म की संस्कृति है। उन्होंने कहा कि गॉधी जी मशीनीकरण के विरोधी थे किन्तु वे विकास के विरोधी नहीं थे अपितु ऐसे विकास का विरोध करते थे जिससे मानवीय क्षमता का ह्रास हो।

उन्होंने आगे कहा कि आत्मनिर्भरता का अर्थ आत्मकेन्द्रित होना नहीं बल्कि आत्मनियंत्रित होना है। गॉधी जी का सत्य, अहिंसा और सत्याग्रह आत्मनियंत्रण का साधन है। युवा अपने एवम् अपने राष्ट्र के प्रति नैतिक रूप से ईमानदार हों और उनमें कर्तव्य और उत्तरदायित्व का बोध हो तभी हम आत्मनिर्भरता के संकल्प को साकार करने में सक्षम हो सकेंगे। स्वराज की संकल्पना की वचनबद्धता स्वयं से करें और अपनी क्षमता का विकास करें।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में स्वागत भाषण एवं विषय की प्रस्ताविकी प्रस्तुत करते हुए **राजनीति विज्ञान विभाग की प्रभारी डॉ. वीणा गोपाल मिश्रा** ने कहा कि आत्मनिर्भरता से आशय अर्थप्रधान वैश्विकरण न होकर मानव प्रधान वैश्वीकरण से है। यह मानव केन्द्रित विकास की वैश्विक अवधारणा है। इसमें वैश्वीकरण का विरोध नहीं अपितु समूची मानवता का उत्थान निहित है। उन्होंने इसके लिए

प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा घोषित 'आत्मनिर्भर अभियान' एवं 'वोकल फार लोकल' की अनिवार्यता पर बल दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में कहा कि गाँधी जी के सत्य, अहिंसा और स्वावलम्बन का दर्शन सभी के लिए प्रेरणादायी है जिसे विद्यार्थियों को आत्मसात करना चाहिए। वर्तमान सरकार की योजनाएँ गाँधी की स्वदेशी की संकल्पना को जोड़ती है।

कार्यक्रम का संचालन एम.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा कीर्ति द्विवेदी तथा आभार ज्ञापन विभाग के असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. शैलेश कुमार सिंह के द्वारा किया गया।

निबंध प्रतियोगिता

दिनांक 30.01.2021 को महाविद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति सप्ताह के अन्तर्गत निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। '21वीं सदी का भारत एवं पंडित दीनदयाल' विषय पर आयोजित निबन्ध प्रतियोगिता में कुल 33 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इसमें प्रथम स्थान रूपम सिंह, बी.ए. तृतीय वर्ष, द्वितीय स्थान प्रशांत कुमार दूबे, बी.एड. प्रथम वर्ष ने तथा तृतीय स्थान नेहा विश्वकर्मा, बी.एड. प्रथम वर्ष ने प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता का संयोजन श्रीमती निधि राय, प्रभारी शिक्षाशास्त्र विभाग ने किया, सह–संयोजन डॉ. विवेकानन्द एवं संचालन डॉ. श्रीभगवान सिंह ने किया। पर्यवेक्षक के रूप में डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी एवं डॉ. सुभाष चन्द्र जी उपस्थित रहे। निर्णायक डॉ. नित्यानन्द श्रीवास्तव व डॉ. मुरली मनोहर तिवारी उपस्थित रहे।